2 जैसा सवाल वैसा जवाब

प्रश्नः

1. चित्र में कौन-कौन दिखाई दे रहे हैं?
2. सिंहासन पर बैठे राजा का नाम क्या हो सकता है?
3. इस चित्र में राजा के निकट खड़े हुए आदमी का नाम क्या हो सकता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। बीरबल की बुद्धि के आगे बड़े-बड़ों का भी कुछ नहीं चल पाता था। इसी कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फँसाने के तरीके सोचते रहते थे।

अकबर के एक खास दरबारी ख्वाजा सरा को अपनी विद्या और बुद्धि पर बहुत अभिमान था। बीरबल को तो वे अपने सामने निरा बालक और मूर्ख समझते थे। लेकिन अपने ही मानने से तो कुछ होता नहीं! दरबार में बीरबल की ही तूती बोलती और ख्वाजा साहब की बात ऐसी लगती थी जैसे नक्कारखाने में तूती की आवाज़। खाजा साहब की चलती तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते लेकिन निकलवाते कैसे!

एक दिन ख्वाजा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न सोच लिए। उन्हें विश्वास था कि बादशाह के उन प्रश्नों को सुनकर बीरबल के छक्के छूट जाएँगे और वह लाख केशिश करके भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह मान लेगा कि ख्वाजा सरा के आगे बीरबल कुछ नहीं है।

ख्वाजा साहब अचकन-पगड़ी पहनकर दाढ़ी सहलाते हुए अकबर के पास पहुँचे और सिर झुकाकर बोले, ''बीरबल बड़ा बुद्धिमान बनता है। आप भी उसकी लंबी-चौड़ी बातों के धोखे में आ जाते हैं। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे तीन सवालों के जवाब पूछकर उसके दिमाग़ की गहराई नाप लें। उस नकली अक्ल-बहादुर की कलई खुल जाएगी।''

ख्वाजा के अनुरोध करने पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा, ''बीरबल! परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर दे सकोगे?''

SCERT TELANGANA

बीरबल बोले, ''जहाँपनाह! ज़रूर दूँगा। खुशी से पूछें।''

ख्वाजा साहब ने अपने तीनों सवाल लिखकर बादशाह को दे दिए।

अकबर ने बीरबल से ख्वाजा का पहला प्रश्न पूछा, ''संसार का केंद्र कहाँ है?''

बीरबल ने तुरंत ज़मीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर दिया, ''यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचों-बीच पड़ता है। यदि ख्वाजा साहब को विश्वास न हो तो वे फ़ीते से सारी दुनिया को नापकर दिखा दें कि मेरी बात गलत है।''

अकबर ने दूसरा प्रश्न किया, ''आकाश में कितने तारे हैं?''

बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा, ''इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आसमान में हैं। ख्वाजा साहव को इसमें संदेह हो तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर लें।''

अब अकबर ने तीसरा सवाल किया, ''संसार की आबादी कितनी है?''

बीरबल ने कहा, ''जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है।''

बादशाह तो बीरबल के उत्तरों से संतुष्ट हो गये लेकिन ख्वाजा साहब नाक-भौंह सिकोड़कर बोले, ''ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा जनाब!''

बीरबल बोले, ''ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। पहले मेरे जवाबों को गलत साबित कीजिए, तब आगे बढ़िए।''

ख्वाजा साहव से फिर कुछ बोलते नहीं बना।

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

(क) पाठ का शीर्षक 'जैसा सवाल वैसा जवाब' आपको कैसा लगा? क्यों?
(ख) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों के क्या अन्य जवाब भी हो सकते हैं? बताइए।
(ग) यदि आप ख्वाजा सरा की जगह होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-कौन से सवाल पूछते?

पढ़िए

1. पाठ में परम ज्ञानी किसे बताया गया है?
2. बीरबल ने दरबार में भेड़ क्यों मँगवाया था?
3. आप को बीरबल का कौन-सा उत्तर अच्छा लगा। लिखिए।
4. ख्वाजा सरा के द्वारा पूछा गया प्रश्न '' संसार का केंद्र कहाँ है?'' इस प्रश्न का उत्तर बीरबल ने क्या दिया?
5. नीचे दिये गये अर्थों के मुहावरे ढूँढ़ कर लिखिए।
   1. जयजयकार होना ----------
   2. हालत खराब होना ----------
   3. बड़ी-बड़ी बातें करना ----------
   4. पसंद नहीं करना ----------
6. पाठ के पहले दो अनुच्छेदों को ध्यान से पढ़िए। नीचे दी गई तालिका की पूर्ति कीजिए।

अंश	कारण
☞ दरबारी बीरबल से जलते थे।	----------
☞ दरबारी बहुत तरीके सोचते थे।	----------
☞ ख्वाजा सरा को अभिमान था।	----------
☞ ख्वाजा सरा बीरबल को समझते थे।	----------
☞ बीरबल की बुद्धि के आगे	----------

SCERT TELANGANA

लिखिए

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए।

   (क) बादशाह अकबर किसे बहुत पसंद करते थे? ----------

   (ख) बीरबल से कौन जलते थे? ----------

   (ग) बीरबल से कौन तीन सवाल पूछना चाहते थे? ----------

   (घ) ख्वाजा साहब का बस चलता तो वे क्या करते? ----------

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

   (अ) पाठ में बादशाह को जहाँपनाह के नाम से भी संबोधित किया गया है। बादशाह के लिए अन्य संबोधन लिखिए।

   (आ) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वह बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देता। आपका बस चलता तो आप अपनी कौनसी इच्छा पूरी करेंगे?

   (इ) यदि आप ख्वाजा सरा की जगह होते तो बीरबल से कौनसा सवाल पूछते?

शब्द भंडार

(अ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. विश्वास :----------
2. बुद्धिमान :----------
3. कोशिश :----------
4. अभिमान :----------
5. मूर्ख :----------
6. संसार :----------

SCERT TELANGANA

(आ) भेड़ की खाल से बनायी जाने वाली कोई तीन चीज़ों के नाम लिखिए।

---------- ---------- ----------

(इ) पाठ में कुछ योजक (-) शब्द आये हैं। जैसे - सोच-विचार, अचकन-पगड़ी। उन्हें चुनकर लिखिए।

---------- ---------- ---------- ---------- ----------

(ई) नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ अपनी मातृभाषा में लिखिए।

साबित, अभिमान, कोशिश, गहराई, संदेह, संतुष्ट

-------- -------- -------- -------- -------- --------

उ) नीचे दिए गए शब्दों को रेखा खींचकर उनके अर्थ से मिलाइए।

क	ख
मुसीबत	घमंड
अभिमान	बुद्धिमान
विश्वास	जनसंख्या
अक्ल-बहादुर	सिद्ध करना
आबादी	आफ़त
साबित करना	भरोसा

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

'जैसा सवाल वैसा जवाब' कहानी आपने पढ़ी है, अकबर बीरबल की अन्य रोचक कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रशंसा

अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी की सदा प्रशंसा की। आपके मित्रों में यदि कोई ऐसा हाज़िर जवाब है तो प्रसंग बताइए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

I. नीचे लिखे वाक्य पढ़िए -

1. मैं **बस** में बैठकर स्कूल जाती हूँ।
2. ख्वाजा सरा का **बस** चलता तो वे बीरबल को निकाल देते।
3. **बस!** अब रुक जाओ।
4. **बस** दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।

ऊपर लिखे वाक्यों में **बस** शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं। अब इसी तरह **चल** शब्द से वाक्य बनाइए।

(संकेत - चल, चल-चल, चला चल, चलना, चलती, चलो)

II. पाठ में कई मुहावरें आए हैं, इन मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. छक्के छूटना
2. लम्बी-चौड़ी बातें करना

III. ह्रस्व-दीर्घ मात्राओं का भिन्न रूपों में प्रयोग होता है,

जैसे क-कि,क-की

कि- इसका प्रयोग किसी संबोधन वाले वाक्यों में पाया जाता है।

जैसे- मैं चाहता हूँ कि आप मेरे प्रश्नों का उत्तर दे।

की- इसका प्रयोग वाक्य में प्रयुक्त शब्द के बीच के संबंध को सूचित करने के लिए किया जाता है।

जैसे- बहादुर की कलई खुल गयी।

अब आप भाषा के ऐसे परिवर्तन को ध्यान देते हुए तीन वाक्य बनाइए।

परियोजना कार्य

चतुराई से संबंधित कोई कहानी को लिखकर कक्षा में प्रदर्शित करें।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर एक छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

कोई लाके मुझे दे!

कुछ रंग भरे फूल
कुछ खट्टे-मीठे फल
थोड़ी बाँसुरी की धुन
थोड़ा जमुना का जल
कोई लाके मुझे दे!

एक सोना जड़ा दिन
एक रूपों भरी रात
एक फूलों भरा गीत
एक गीतों भरी बात
कोई लाके मुझे दे!

एक छाता छाँव का
एक धूप की घड़ी
एक बादलों का कोट
एक दूब की छड़ी
कोई लाके मुझे दे!

एक छुट्टी वाला दिन
एक अच्छी-सी किताब
एक मीठा-सा सवाल
एक नन्हा सा जवाब
कोई लाके मुझे दे!

-दामोदर अग्रवाल

SCERT TELANGANA